



8. 'नौकरों को हमें वेतनभोगी मज़दूर नहीं, अपने भाई के समान मानना चाहिए। इसमें कुछ कठिनाई हो सकती है, फिर भी हमारी कोशिश सर्वथा निष्फल नहीं जाएगी।'

गाँधी जी ऐसा क्यों कहते होंगे? तर्क के साथ समझाओ।

उत्तर:- ये सच है कि यदि हम मजदूर को अपना भाई समझने लगे तो वह अपने काम से कामचोरी और लापरवाही कर सकता है परन्तु हम निरंतर प्रयास करते रहें तो एक न दिन वह इस बात को समझ जाएगा कि इस घर से उसे अपनापन और प्यार मिलता है अतः उसकी भी इस घर के प्रति जिम्मेदारी बनती है और उसे दिए गए कार्य को नियत समय पर पूरा करना है।

9. गाँधी जी की कही-लिखी बातें लगभग सौ से अधिक किताबों में दर्ज हैं। घर के काम, बीमारों की सेवा, आगंतुकों से बातचीत आदि ढेरों काम करने के बाद गाँधी जी को लिखने का समय कब मिलता होगा? गाँधी जी का एक दिन कैसे गुज़रता होगा, इस पर अपनी कल्पना से लिखो।

उत्तर:- मेरे अनुसार गाँधी जी साधारण व्यक्ति तो थे नहीं। अतः असाधारण व्यक्तित्व के धनी होने के कारण और अत्यधिक व्यस्त व्यक्ति होने के बावजूद भी वे कई सारे काम और लिखने के लिए समय निकाल ही लेते थे।

10. पाठ में बताया गया है कि गाँधी जी और उनके साथी आश्रम में रहते थे। घर और स्कूल स्कूल के छात्रावास से गाँधी जी का आश्रम किस तरह अलग था? कुछ वाक्यों में लिखो।

उत्तर:- गाँधी जी के आश्रम में हर एक जाति वर्ग, उच्च, निम्न आदि सभी वर्गों का समावेश था। आश्रम में उनके सहयोगियों के अलावा, मित्र, जरूरतमंद, देशी, विदेशी आदि सभी लोग एक परिवार की तरह रहते थे।

छात्रावास में भी सभी धर्मों और समुदायों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। छात्रावास और आश्रम की कार्य-पद्धति में अंतर होता है। दोनों के उद्देश्य भी अलग-अलग होते हैं। परन्तु छात्रावास विशुद्ध रूप से शिक्षा प्रणाली से संबंधित होने के कारण आश्रम से भिन्न होता है। स्कूल के छात्रावास में छात्रों को पढ़ाई के अलावा किसी अन्य कार्य की फिक्र नहीं रहती थी लेकिन आश्रम में आटा पिसने से लेकर सब्जियाँ उगाने तक का कार्य करना पड़ता था।

• भाषा की बात

1.1 'पिसाई' संज्ञा है। पिसना शब्द से 'ना' निकाल देने पर 'पीस' धातु रह जाती है। पीस धातु में 'आई' प्रत्यय जोड़ने पर 'पिसाई' शब्द बनता है। किसी-किसी क्रिया में प्रत्यय जोड़कर उसे संज्ञा बनाने के बाद उसके रूप में बदलाव आ जाता है, जैसे ढोना से ढुलाई, बोना से बुलाई।

मूल शब्द के अंत में जुड़कर नया शब्द बनाने वाले शब्दांश को प्रत्यय कहते हैं।

नीचे कुछ संज्ञाएँ दी गई हैं। बताओ ये किन क्रियाओं से बनी हैं -

बुआई.... कटाई....

सिंचाई.... रोपाई....

कताई.... रंगाई....

उत्तर:-

संजा	क्रिया
बुआई	बोना
सिंचाई	सींचना
कताई	कातना
कटाई	काटना
रोपाई	रोपना
रंगाई	रँगना

1.2 हर काम-धंधे के क्षेत्र की अपनी कुछ अलग भाषा और शब्द-भंडार होते हैं। ऊपर लिखे शब्दों का संबंध दो अलग-अलग कामों से है। पहचानो कि दिए गए शब्दों के संबंध किन-किन कामों से हैं।

उत्तर:- उपर्युक्त लिखे हुए शब्दों का संबंध कृषि तथा कपड़े से संबंधित है।

2.1 तुमने कपड़ों को सिलते हुए देखा होगा। नीचे इस काम से जुड़े कुछ शब्द दिए गए हैं। आस-पास के बड़ों से या दरजी से इन शब्दों के बारे में पूछो और इन शब्दों को कुछ वाक्यों में समझाओ।

तुरपाई कच्ची सिलाई

बखिया चोर सिलाई

उत्तर:-

- तुरपाई - हाथ की सिलाई को कहते हैं।
- बखिया - मशीन द्वारा की गई सिलाई को कहते हैं।
- कच्ची सिलाई - पक्की सिलाई करने से पहले एक मोटी-मोटी सिलाई की जा है उसे कच्ची सिलाई कहते हैं।
- चोर सिलाई - सिलाई जो बाहर से नज़र नहीं आती है।

2.2 नीचे लिखे गए शब्द पाठ से लिए गए हैं। इन्हें पाठ में खोजकर बताओ कि ये स्त्रीलिंग हैं या पुल्लिंग -

कालिख, भराई, चक्की, रोशनी, जेल, सेवा, पतीला।

उत्तर:- पुल्लिंग - पतीला

स्त्रीलिंग - कालिख, भराई, चक्की, रोशनी, जेल, सेवा।

***** END *****